

The Faculty of Pharmacy, Integral University, is observing "World Antibiotic Awareness Week" from 18 through 24th November'2019-in accordance with WHO guidelines. Events include visit to hospitals and rural areas, awareness walk, street plays and a seminar with the theme "Antibiotic Resistance: Threat to Global Health".

The main focus of the staff and students of Pharmacy is to raise awareness among physicians, health care specialists and general public on the rational use of antibiotics through visiting hospitals and rural areas.

Requesting the Health Care specialists on prescribing the right antibiotic and only if needed, encouraging school children on importance of hand and oral hygiene, advising general public on proper nutrition and getting recommended vaccines to prevent infections is being communicated.

As a medicine expert, the pharmacists are also counseling the patients on the proper way of storage and administration of antibiotics, the right time and advised duration of treatment as part of the *Be Antibiotics Aware*, an educational effort by Center for Disease Control to raise awareness about the importance of safe antibiotic prescribing and use.

The awareness walk was held from Dr. Shyama Prasad Mukherjee Hospital to Hazratganj and street play performed at Gandhi Pratima to extend awareness with respect to health, hygiene and drug related aspects concerning antibiotic resistance.

## प्रेस विज्ञप्ति

इंटीग्रल यूनिवर्सिटी के फार्मसी संकाय, 18 नवंबर से 24 नवंबर 2019 तक डब्ल्यूएचओ के दिशा-निर्देशों के अनुसार "विश्व एंटीबायोटिक जागरूकता सप्ताह" मना रहा है। कार्यक्रमों में अस्पतालों और ग्रामीण क्षेत्रों की यात्रा, जागरूकता मार्च एवं नुक्कड़ नाटक और "एंटीबायोटिक प्रतिरोध: वैश्विक स्वास्थ्य के लिए खतरा" विषय पर एक संगोष्ठी शामिल है।

फार्मसी के कर्मचारियों और छात्रों का मुख्य ध्यान अस्पतालों और ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर एंटीबायोटिक दवाओं के तर्कसंगत उपयोग पर चिकित्सकों, स्वास्थ्य देखभाल विशेषज्ञों और आम जनता के बीच जागरूकता बढ़ाना है।

स्वास्थ्य देखभाल विशेषज्ञों से सही एंटीबायोटिक निर्धारित करने और केवल जरूरत पड़ने पर स्कूली बच्चों को हाथ और मौखिक स्वच्छता के लिए प्रोत्साहित करने, सामान्य लोगों को उचित पोषण की सलाह देने और संक्रमण से बचाव के लिए टीके लगवाने की सलाह दी जा रही है।

एक दवा विशेषज्ञ के रूप में, फार्मासिस्ट एंटीबायोटिक दवाओं के भंडारण और प्रशासन के उचित तरीके, सही समय और उपचार की अवधि की सलाह दे रहे हैं।

इस अवसर पर फार्मसी छात्रों एवं शिक्षकों द्वारा डॉ। श्यामा प्रसाद मुखर्जी अस्पताल से हजरतगंज तक जागरूकता रैली निकाली गई और एंटीबायोटिक प्रतिरोध से संबंधित स्वास्थ्य, स्वच्छता और दवा संबंधी पहलुओं के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए गांधी प्रतिमा पर नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन किया गया।